

# महानिदेशक का संदेश



नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ ।

आज सीआईएसएफ महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के साथ आप सभी को सम्बोधित करते हुए मुझे अत्यंत आभार एवं गर्व की अनुभूति हो रही है। एक ऐसे विशिष्ट बल का नेतृत्व करना जिसने सत्यनिष्ठा, पेशेवर दक्षता और समर्पण के आधारभूत मूल्यों का अनवरत प्रदर्शन किया है, मेरे लिए बहुत ही सम्मान की बात है। इस अवसर पर मेरा आप सभी से आग्रह है कि बल के मूल्यों को संजोते हुए आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहें। ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक आचरण के प्रति हमारा संकल्प, दूसरों के लिए अनुकरणीय हो।

वर्ष 1969 में अपने गठन के पश्चात सीआईएसएफ ने एक लंबी यात्रा तय की है और आज यह एक बहुआयामी, पेशेवर, दक्ष और तकनीक उन्मुख आधुनिक बल के रूप में, संपूर्ण राष्ट्र में संवेदनशील राष्ट्रीय परिसंपत्तियों और महत्वपूर्ण आर्थिक ढांचों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति समर्पित है। इस बल ने अग्निशमन क्षमता के साथ विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा की क्षमताओं को भी विकसित किया है। आज यह बल कारागार जैसे नवीन क्षेत्रों में भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में अग्रसर है।

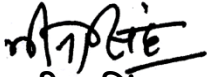
निरंतर हो रहे तकनीकी बदलाव के इस युग में जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नए आयाम जुड़ रहे हैं और सुरक्षा चुनौतियों में प्रतिक्षण बदलाव आ रहा है, ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम नवीन उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ नवाचार को अपनाएं और तकनीक, बुद्धिमत्ता और सहभागिता का लाभ उठाते हुए उभर रहे खतरों के निवारण का प्रयास करें। यह मेरा प्रयास रहेगा कि सीआईएसएफ की बुनियादी क्षमताओं को बढ़ाकर इसे बदल रहे सुरक्षा के प्रतिमानों और संभावित खतरों से पूरी तरह से निपटने योग्य बनाया जाए।

जिस तरह हम दृढ़ संकल्प के साथ नवीन सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने की दिशा में सेवारत हैं, उसी तरह मैं बल कर्मियों और उनके परिवारजनों के समस्त कल्याण की आवश्यकता को अत्यधिक प्रमुखता से देखती हूँ। हमें निश्चित रूप से अनुकूल कार्य परिवेश के निर्माण हेतु तत्पर होना होगा, जो बल सदस्यों एवं उनके परिवारों के कल्याण कार्य में सहायक हो सके।

इस अवसर पर मैं सीआईएसएफ के उन शूरवीरों को नमन करती हूँ जिन्होंने कर्तव्य निष्पादन में अपने प्राणों का बलिदान दिया। हमें उन मूल्यों को बनाए रखने के लिए अपने कर्तव्य के प्रति पुनः प्रतिबद्ध होना होगा जिनके लिए इन अमर बलिदानियों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

मैं एक बार पुनः सभी बल सदस्यों एवं उनके परिवारजनों को व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएँ देती हूँ।

मैं आप सभी के सक्रिय समर्थन और सहयोग की पूर्ण रूप से अपेक्षा करती हूँ।

  
(नीना सिंह)  
महानिदेशक